Under CSR Support by ipca Foundation missiongyan

अध्याय - 2 | नित्यं पिबामः सुभाषितरसम्

QUIZ PART-05

1. **मनुष्यों के शरीर में स्थित महान शत्रु किसे कहा गया है?**
   A. क्रोध
   B. निद्रा
   C. आलस्य
   D. भय (C)

व्याख्या : सुभाषित में आलस्य को मनुष्यों के शरीर में स्थित महान शत्रु कहा गया है।

2. **आलस्य किसमें बाधक बनता है?**
   A. कार्य के सम्पादन में
   B. केवल भोजन में
   C. केवल खेल में
   D. केवल यात्रा में (A)

व्याख्या : भावार्थ के अनुसार आलस्य हमारे कार्य के सम्पादन में अवरोधक है।

3. **मनुष्य का वास्तविक मित्र किसे बताया गया है?**
   A. निद्रा
   B. परिश्रम
   C. आलस्य
   D. क्रोध (B)

व्याख्या : पाठ में परिश्रम को वास्तविक मित्र बताया गया है।

4. **सुभाषित के अनुसार किसके समान कोई बन्धु नहीं है?**
   A. आलस्य
   B. निद्रा
   C. भय
   D. उद्यम (D)

व्याख्या : 'नास्त्युद्यमसमो बन्धुः'—उद्यम के समान दूसरा बन्धु नहीं है।

5. **जो व्यक्ति परिश्रम करता है, वह क्या नहीं प्राप्त करता?**
   A. दुःख
   B. ज्ञान
   C. सम्मान
   D. विद्या (A)

व्याख्या : भावार्थ में परिश्रम करने वाला मनुष्य कभी दुःख प्राप्त नहीं करता बताया गया है।

6. **व्यास के वचनद्वय का उल्लेख कितने पुराणों के संदर्भ में है?**
   A. बारह
   B. पन्द्रह
   C. अठारह
   D. उन्नीस (C)

व्याख्या : सुभाषित में 'अष्टादशपुराणेषु' अर्थात अठारह पुराणों का उल्लेख है।

7. **परोपकार किसका कारण बताया गया है?**
   A. पाप का
   B. पुण्य का
   C. आलस्य का
   D. भय का (B)

व्याख्या : व्यास के वचन के अनुसार परोपकार से पुण्य होता है।

8. **परपीड़न किसका कारण बताया गया है?**
   A. सम्मान का
   B. ज्ञान का
   C. पुण्य का
   D. पाप का (D)

व्याख्या : 'पापाय परपीडनम्'—दूसरों को पीड़ा देना पाप का कारण है।

9. **अष्टादश पुराणों के सार को कितने वचनों में बताया गया है?**
   A. दो
   B. चार
   C. छह
   D. आठ (A)

व्याख्या : भावार्थ में महर्षि वेदव्यास के अठारह पुराणों का सार दो वचनों में बताया गया है।

10. **पाठ के अनुसार हमें सदैव क्या करना चाहिए?**
    A. परपीड़न
    B. आलस्य
    C. परोपकार
    D. विलम्ब (C)

व्याख्या : पाठ में सदैव परोपकार करने और दूसरों को पीड़ा न देने की शिक्षा है।

DESH KA APNA SCHOOL